

for enrolment of new customers for domestic gas. It is not possible at this stage to indicate the State-wise break-up of the connections to be released during 1978-79.

(c) The availability of LPG is expected to increase considerably from about 1980 onwards and giving connections to persons now registered may start on a significant scale only from then.

### बीकानेर में उपरि पुल का निर्माण

3850. श्री० हरी राम मक्कासर मोदारा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या बीकानेर रेलवे स्टेशन पर उपरि पुल न होने के कारण लाखों लोगों को बहुत कठिनाई होती है, और

(ख) बीकानेर रेलवे स्टेशन पर उपरि पुल बनाने के मुद्दाबों पर कब तक अन्तिम निर्णय कर लिया जायेगा और उस पुल पर कितना रुपया खर्च होगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) (क) बीकानेर स्थित व्यम्न समपार गाड़ी गुजरते समय जब कभी सड़क यातायात के लिए बन्द रहना है तब सड़क उपयोगकर्ताओं का कुछ अशुविधा होती है।

(ख) व्यस्त समपारों को ऊपर सड़क पुलों निचले सड़क पुलों में बदलने के लिए रेलवे ने राज्य सरकार की स्वीकृति के लिए एक प्रस्ताव भेजा था, लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक इसकी स्वीकृति नहीं दी है। राज्य सरकार की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही प्रस्ताव पर कार्यवाही की जा सकती है। प्रस्ताव की अनुमानित लागत अभी तक नहीं निकाली गयी है।

### अनूपगढ़-फलीदी मीटर गेज लाइन

3851. श्री० हरी राम मक्कासर मोदारा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि।

(क) क्या अनूपगढ़ से फलीदी तक (राजस्थान) में कोलायत होती हुई रेलवे की छोटी लाइन बनाने का मुद्दाव प्राप्त हुआ है ;

(ख) क्या उनको इस बात की जानकारी है कि राजस्थान नहर के पूरा हो जाने के बाद इस क्षेत्र का विकास होने वाला है और इसलिये उपरोक्त लाइन आवश्यक है ; और

(ग) उपरोक्त मुद्दाव पर क्या निर्णय किया गया है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख) जी हाँ।

(ग) यह मुद्दाव रायसिंहनगर-अनूपगढ़-छतरगढ़-बीकानेर-कोलायत-फलीदी को जोड़ने वाली एक रेल लाइन के निर्माण के सम्बन्ध में था (बीकानेर और कोलायत के बीच रेल संपर्क उपलब्ध है)। 1950 में कोलायत-फलीदी रेल संपर्क के निर्माण के लिए अन्तिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण किया गया था जिसमें यह पता चला था कि इस परियोजना (68.53 कि० मी०) पर 91.24 लाख रुपये खर्च होंगे (1950 के मूल्यों के आधार पर) और छठे वर्ष में इससे 1.27 प्रतिशत प्रतिफल प्राप्त होगा। अन्य रेल संपर्कों के लिए पहले कोई जांच पडताल नहीं की गयी थी। लेकिन, राजस्थान नहर के प्रथम चरण, जो पूरा हो चुका है, के कमान क्षेत्र से कृषि तथा अन्य उत्पादन की निकाली की तत्काल आवश्यकता को ध्यान में रख कर बीकानेर से छतरगढ़ (मीटर लाइन 80 कि० मी०) तक एक नयी रेल लाइन के निर्माण के लिए प्रारम्भिक इंजीनियरी एव यातायात सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस लाइन के निर्माण के सम्बन्ध में कोई निर्णय करना

सर्वेक्षण के परिणामों और इसके लिए उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करेगा ।

### भटिडा-सूरतगढ़ मीटर गेज लाइन

3852. चौ० हरी राम मक्कासर गोदारा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ।

(क) क्या भटिडा-सूरतगढ़ मीटरगेज लाइन, जिसे बड़ी लाइन में बदला जा रहा है, बीकानेर तक बढ़ाने के बारे में कोई सुझाव दिया गया है ?

(ख) क्या इस सुझाव पर विचार कर लिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उस पर क्या निर्णय किया गया है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख) जी हां ।

(ग) धन की अत्यधिक कमी और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि पहले से किये गये अनेक वायदों को पूरा करना है, फिलहाल सूरतगढ़-बीकानेर मीटर लाइन खण्ड को बड़ी लाइन में बदलने का काम शुरू कर पाना संभव नहीं है ।

### Scarcity of Petroleum Products

3853. SHRI PRASANNBHAI MEHTA:

SHRI RAMDAS SINGH:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that due to sluggish tank movement there has been a general scarcity of petroleum products all over the country in the month of February, 1978;

(b) if so the main reasons for the same;

(c) whether it is also a fact that products like furnace oil and light diesel oil needed for the industry have been in short supply which has resumed in heavy losses to industrial production;

(d) whether it is also a fact that the railway officials have denied any sluggish movement of the wagons in the northern sector but have admitted that due to the shortage of oil there was not much loading; and

(e) if so, the reaction of Government and steps being taken to improve the availability of petroleum products in the country?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BANJIGUNA):

(a) to (e). Some difficulties were encountered during November-December, 1977 on account of inadequate movement of petroleum products due to problems of tank wagon availability, coupled with product shortages in some feeding locations. This led to depletion of depot stocks, causing problems of availability of petroleum products in certain locations. The overall tank wagon movement of petroleum products registered a significant improvement from January 1978, and movement of tank wagons in February cannot be considered sluggish. Though there have been some temporary problems of availability for short durations it is not true that there has been general scarcity of petroleum products leading to heavy losses in industrial production. With the improvement in tank wagon movement, stocks of petroleum products have generally registered improvements in depot locations. Railways do not anticipate any difficulties in ensuring product loading at slated levels. Various steps such as daily monitoring of movement of rail wagons, round-the-clock loading at the refineries as also at the major loading installations, rationalisation of pattern of movement and extensive road